(Pages : 4) G – 5134

Reg. No. : .....

Name : .....

Fourth Semester M.A. Degree Examination, September 2019

Hindi

HL 241 – MODERN POETRY SINCE PRAYOGVAD

(2015 Admission Onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए।

1. 'इत्यलम' किसकी कृति है?

(अज्ञेय, मुक्तिबोध, धर्मवीर भारती, कीर्ति चौधरी)

2. 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(1951 ई., 1949 ई., 1959 ई., 1961 ई.)

3. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना किस तारसप्तक के कवि हैं?

(पहला सप्तक, तीसरा सप्तक, दूसरा सप्तक, तारसप्तक)

4. 'नयी कवीता' पत्रिका का प्रकाशन कब हुआ?

(1951 ई., 1941 ई., 1954 ई., 1964 ई.)

5. निम्नलिखित में चन्द्रकांत देवताले की कविता कौन-सी है?

(नये इलाके में, स्त्री के साथ, विज्ञापन सुंदरी, विलाप)

P.T.O.

gcwcentrallibrary.in

6. मैं नया कवि हूँ

इसी से जानता हूँ

सत्य की चोट बहुत गहरी होती है। – किस कविता की पंक्तियाँ हैं?

(क्या फायदा, यह खिड़की, मैं ने कब कहा?, गीतफरोश)

7. 'कविता और समय' किसकी कृति है?

(अरुण कमल, अशोक वाजपेयी, कात्यायनी, नीलेश रघुवंशी)

8. अज्ञेय की ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त रचना कौन-सी है?

(हरी घास पर क्षण भर, कितनी नावों में कितनी बार, आँगन के पार द्वार, नदी के द्वीप)

9. 'एक साहित्यिक की डायरी' किसकी रचना है?

(अज्ञेय, मुक्तिबोध, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, धूमिल)

10. धूमिल का पूरा नाम क्या है?

(गजानन माधव, वैद्यनाथ मिश्र, विश्वंभरनाथ, सुदामा पाण्डेय) (10 × 1 = 10 Marks)

II. किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए।

1. 'गीत फरोश' कविता में प्रतिबिंबित व्यंग्य।

2. दलित चेतना के कवि ओमप्रकाश वाल्मीकि।

3. मुक्तिबोध की कविता में फैन्टसी।

4. भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में अरुण कमल की कविता।

5. समकालीन कविता में जनसंघर्ष।

6. धूमिल की कविता में व्यंग्य।

7. अज्ञेय की काव्य-भाषा। (4 × 5 = 20 Marks)

gcwcentrallibrary.in

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. कात्यायनी की कविताएँ–स्त्री विमर्श का दस्तावेज़।

2. धूमिल के काव्य में सामाजिक–राजनैतिक चेतना।

3. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के काव्य में आधुनिक भाव–बोध।

4. लीलाधर जगूड़ी का काव्य–संसार। (2 × 10 = 20 Marks)

IV. (क) किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. मैं जानता था लोग बात–बात में खून के प्यासे हो जाते हैं
मैं ने चौक चौपाल में मारकाट के षड्यंत्र बनते सुने थे :
मैं चुप रहा
क्योंकि मुझे भरोसा था कि
भाषा फिर भी पवित्र बची रहेगी।

2. कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है।
मगर क्या तुम नहीं पहचान पाओगी :
तुम्हारे रूप के – तुम हो, निकट हो, इसी जादू के –
निजी किस सहज, गहरे बोध से, किस प्यार से मैं कह रहा हूँ।

3. और ... होठों से
अनोखा स्तोत्र, कोई क्रुद्ध मंत्रोच्चार,
अथवा शुद्ध संस्कृत गालियों का ज्वार,
मस्तक की लकीरें
बुन रहीं
आलोचनाओं के चमकते तार !!

gcwcentrallibrary.in

4. क्या फायदा इस बेकार के बोझ से?
उतार दो जिरहबखार और फेंक दो ढाल
क्योंकि किसी और की नहीं
वह तुम्हारी ही तलवार होगी
जो एक दिन तुम्हाले वज्र शरीर को चीरती हुई
तुम्हारे हृदय में उतरेगी।

5. यदि दुर्बलता दर्प में बदल जाय,
व्यथा अन्तदुष्टि दे,
खंडित आत्माएँ
संचित कर सके शक्ति की समिधाएँ।

6. धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और ज़मीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बायें
मुड़ना था मुझे।

7. मैल कितना उत्पादक हो सकता है यह साबुनों और
डिटर्जेंट पउडरों के बीच हो रहे युद्ध से जाना जा सकता है
जिन्हें सौंदर्य के मैनेजर अधिक सुंदर दामों पर बेचने की होड़ में हैं। (4 × 5 = 20 Marks)

(ख) किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. औरत का आग से रिश्ता बेबात नहीं होता
मैं ज़हर में डूबकर जाऊँ या पराजय में धँसकर
औरत की आँखें मुझे काँच के गिलास की तरह धोकर पारदर्शी बना देती हैं।

2. और मैं देखता हूँ, तो मुझे केवल पुतली नहीं
पूरी आँख दिख रही है गुरुदेव।
और मछली और वह खम्भा
और आकाश और आप और ये सब जन धनुर्धर। (1 × 5 = 5 Marks)

gcwcentrallibrary.in